परीक्षा के आवेदन

परीक्षा के लिए  प्रत्येक आवेदन प्ररूप ‘‘क‘‘ में होगा । आवेदक प्ररूप के ऐसे भाग को भरेगा जो किसी अभ्यर्थी द्वारा भरा जाना होगा और किसी राजपत्रित अधिकारी या किसी मजिस्ट्रेट  या अपने नियोक्ता की उपस्थिति में प्ररूप पर हस्ताक्षर करेगा जो उसके हस्ताक्षरों को प्रमाणित करेंगे। इस प्रकार भरे गए आवेदन सचिव को भेजने होंगे और उनके साथ निम्नलिखित होगा-

(क) शैक्षणिक अर्हताओं के संबंध में प्रमाण पत्रों में प्रत्येक की एक सत्यापित प्रति अभ्यार्थियों के प्रयोगात्मक अनुभव के लिए उनकी प्रतियों के साथ मूल प्रमाण पत्र । शैक्षणिक अर्हताओं के संबंध में सभी मूल प्रमाण पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) अपने नियोजक से अच्छे चरित्र का शंसापत्र के साथ उम्र का प्रमाण पत्र

(ग) परीक्षा फीस रू 500/ प्रथम श्रेणी व रू.300/ द्वितीय श्रेणी बायलर अटेण्डेंट हेतु ई-चालान से जमा कराकर चालान आवेदन पत्र के साथ अपलोड करना होगा ।

(घ) नवीनतम पासपोर्ट आकार के (आकार 50 एमएम   65एमएम) की फोटो भी आवेदन पत्र के साथ अपलोड करनी होगी ।

पात्रता

द्वितीय वर्ग बायलर परिचर अभ्यर्थियों के लिए उम्र अर्हताओं और अनुभव

द्वितीय वर्ग के किसी बायलर परिचर के रूप में सक्षमता के प्रमाण पत्र के लिए कोई अभ्यर्थी 18 वर्ष की उम्र से अन्यून नहीं होगा और यह परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं कर सकेगा जब तक कि वहः

(क) किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या बोर्ड से मेट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण न हो और

(ख) उसने किसी वाष्प बायलर पर फायरमैन या प्रचालक या पंप मैन या वाटर मैन या सहायक फायर मैन या सहायक बायलर के रूप में दो वर्ष से अन्यून सेवा की हो या ‘‘

(ग) किसी फिटर के रूप में जहां बायलर विनिर्मित या परिनिर्मित प्रचालित या मरम्मत होते है में तीन वर्ष से अन्यून सेवा की हो इसके साथ साथ वह एक वर्ष से अन्यून सहायक फायरमैन के रूप में सेवा की हो या

(घ) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रमाण पत्र धारक की दशा में लघु उद्योग बायलर पर दो वर्ष से अन्यून अनिवार्य रूप से सेवा की हो

(ड.) अभ्यर्थी राजस्थान का मूल निवासी होना चाहिए एवं मूल निवास के प्रमाण पत्र की प्रति भी आवेदन के साथ अपलोड की जानी है।

प्रथम श्रेणी बायलर परिचर अभ्यर्थियों के लिए अवपेक्षित उम्र, अर्हताऐं और अनुभव-

प्रथम वर्ग बायलर परिचर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए किसी अभ्यर्थी की उम्र बीस वर्ष से अन्यून न होगी और वह द्वितीय वर्ग का प्रमाण पत्र धारक हो ओर वह परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं कर सकेगा जब तक कि वहः-

(क) द्वितीय वर्ग सक्षमता प्रमाणपत्र के साथ बायलर परिचर के रूप में किसी बायलर के एकल भार साधक के रूप में जिसकी रेटेड उष्मित सतह पचास वर्ग मीटर से अन्यून नहीं है के भार साधक के रूप में दो वर्ष से अन्यून सेवा न की हो या

(ख) किसी औद्योगिक या तकनीकी संस्थान के प्रमुख से कोई प्रमाण पत्र की उसने तीन वर्षीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को पूरा किया है जिसमें से एक वर्ष उसने किसी मिल, कारखाने या किसी इंजीनियरिंग वर्कषाप जहां इंजन और बायलर की मरम्मत या निर्मित किए जाते है में प्रशिक्षुता की है और इसके साथ उसने द्वितीय वर्ग बायलर परिचर के सक्षमता प्रमाण पत्र के साथ पचास वर्ग मीटर उष्मित क्षेत्र से अन्यून किसी बायलर के एकल कार्यकारी व्यवहार के रूप में एक वर्ष से अन्यून सेवा की है का प्रमाण पत्र देता है या

(ग) पचास वर्ग मीटर से अधिक उष्मित सतह रखने वाले किसी बायलर पर प्रथम वर्ग बायलर परिचर के प्रभार के अधीन द्वितीय वर्ग बायलर परिचर सक्षमता प्रमाण पत्र के साथ फायरमैन या सहायक फायरमैन के रूप में दो वर्ष से अन्यून कार्य किया है।

(घ) अभ्यर्थी राजस्थान का मूल निवासी होना चाहिए एवं मूल निवास के प्रमाण पत्र की प्रति भी आवेदन के साथ अपलोड की जानी है।

परीक्षा के पाठ्यक्रम विवरण

द्वितीय वर्ग बायलर परिचर के लिए पाठ्य विवरण

कोई अभ्यर्थी द्वितीय वर्ग सक्षमता के लिए अर्हक होने के क्रम में परीक्षकों को समाधानप्रद रूप में अन्य बातों के साथ साथ-

(क) वह स्पष्ट रूप से-

(प) वह किसी वाष्प बायलर और इकोनोमाइजर की कार्यकरण और प्रबंध को समझता है

(पप) विभिन्न वाल्वों, टोंटियों, स्थापन और फिटिंग्स का उपयोग और प्रयोजन

(पपप)आग प्रारंभ करने और जब वाष्प उठने लगे से पहले ली जाने वाली पूर्वावधानिया और प्रक्रिया

(पअ)भरक पंप और इंजेक्टर का उपयोग

(अ) दाब गेज को पाठन

(अप) अवधिक सफाई और शुद्ध जल प्रदाय तथा मापक या अन्य उष्मित सतह पर अन्य जमाव को रोकने के लिए आवश्यकताएँ

(अपप)बायलर का आवधिक निरीक्षण के लिए आवश्यकता और वह रीति जिसमें विस्तृत निरीक्षण, हाइड्रोलिक जांच और वाष्प जांच के लिए तैयारी होगी

(अपपप) बायलर जो वाष्प के अधीन किसी अन्य बायलर से संबद्ध है में किसी व्यक्ति के प्रवेश या अनुज्ञात करने से पहले ली जाने वाली पूर्वावधानिया

(पग) धुंए को रोकने के लिए आग का उचित साधन का उपयोग

(ग)वाष्प नली में पानी के जमाव का खतरा और निकास के लिए प्रेक्षण की पूर्वावधानियाः

(गप) पानी की कमी या भट्टी का उभरना या टूट फुट या नालिकाओं का फट जाना या वाष्प नली में किसी दुर्घटना का होना:

(गपप) पूर्वावधानिया का लेना जब किसी इकोनोमाइजर का कार्य किसी विराम की अवधि के पश्चात प्रारम्भ होता है: और

(गपपप) कमीशन में किसी इकोनोमाइजर को लाने में अंगीकृत किया जाने वाला प्रक्रिया और स्टीम पर जब बायलर है उसे कमीशन आउट करने में भी रखना ।

(ख) वह सक्षम है-

(प)किसी बायलर में कोयले भरने के साथ साथ उसे साफ करने और कर्मकार के समान रीति में आग को किराने करने में सक्षम हैः

(पप) यह प्रदर्शित करने में सक्षम है कि किसी प्रकार परिहार्य धुंए को रोका जा सकेगा

(पपप) जल प्रभावी कांच और जांच टोंटी को फूंक माध्यम से और शुद्वता की जांच में

(पअ)किसी माप कांच को बदलना और मिथ्या जल स्तर को इस प्रकार प्रदर्शित किया जाता है को प्रदर्शित करने में सक्षम होना

(अ) किसी सुरक्षा वाल्व को ढीला करना और किसी नीचे बहाव टोंटी या वाल्व का बहाव करने में उपयोग करना

(अप) किसी उच्च वाष्प और निम्न जल सुरक्षा वाल्व को समायोजित करने और किसी गलनीय डाट को बदलना

(अपप) पंप को लगाने या वाल्व पेटी ग्रंथी को भरना

(अपपप) टोंटी को वाल्वों को घिसने और उनको समायोजित करना

(पग) भरण पंप या हिस्से को भरने और उनको कार्य करने के दौरान बदलना और

(ग) इकोनोमाइजर को साफ करने के लिए दिए गए उपस्करों का उपयोग करना

प्रथम श्रेणी बायलर  परिचर के लिए पाठ्य विवरण

किसी अभ्यर्थी को प्रथम श्रेणी की  सक्षमता के प्रमाण पत्र के लिए अर्हत होने के क्रम में  परीक्षक का यह समाधान करना होगा कि द्वितीय श्रेणी की सक्षमता के प्रमाण पत्र के लिए विनिर्दिष्ट विषयों के साथ साथ वह दहन उष्मा और वाष्प से संबन्धित प्रमुख प्रारंभिक तथ्यों का कम से कम प्राथमिक ज्ञान रखता है ओर वह अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित विषयों को स्पष्ट करने में सक्षम होगा -

(क) वाष्प बायलर उच्च उष्मक और इकोनोमाइजर के कार्यकरण और प्रबंध रखना

(ख) विभिन्न वाल्वों, टोंटी लगाई गई फिटिंग्स और अन्य लगाई गई फिटिंग और अन्य सुरक्षा युक्तियों का उपयोग और उनका प्रयोजन करना

(ग) भरक पंप भरक अंतः क्षेपित्र भरक विनियामक भरक जल निस्यंदक भरक तापक, वायु तापक उष्मक वाष्प संचायक प्रणोदित वात प्रवाह, प्रेरित वात प्रवाह और स्वचालित वात प्रवाह नियंत्रक युक्तियां के विवरणों और उनके कृत्यों को करना

(घ) दहन, उष्मा और वाष्प तथा किसी भूमि बायलर में कोयला और पानी तथा वाष्प का परिणाम के खपत की गणना करना के विभिन्न वात प्रवाह के अधीन उष्मित सतह के दिए गए जालिका क्षेत्र से उत्पन्न हो सकेगा ओर बायलर प्लांट की संपूर्ण सक्षमता का परिकलन करने से संबंधित तथ्यों पर प्रश्नों के उत्तर देगा

(ड.) धुंए को रोकने के लिए उपयोग किए जाने वाले मुख्य साधित्रों की सार्थकता को और दो सिद्वान्त जिसपर वह कार्य करते हैं तथा मुख्य यांत्रिक स्टोकर प्रेषणी, गैस और चुर्नित ईंधन प्रणाली में उपयोग का वर्णन करने में सक्षम होंगे

(च)आवधिक सफाई की आवश्यकता को पपडी या उष्मित सतह के अन्य जमाव को रोकने के लिए उपयोग की जाने वाली पद्धतियों तथा भरक जल में कतिपय पीएच मान को बनाये रखने के लिए आवश्यकताओं

(छ) बायलर में त्रुटियों को खोजने और उन्हें ठीक करने के साधन और पद्धतियों को वर्णित करना

(ज)किसी बायलर को प्रारंभ करने के लिए लिए जाने वाले पूर्वावधानियां और ठंड से या आग के ढेर की दशा में जो इकोनोमाइजर को प्रारंभ करने की पूर्वावधानियां को करना

(झ) जब बायलर में वाष्प है में किसी इकोनोमाइजर को कमीशन से बाहर रखने के लिए अंगीकृत की जाने वाले प्रक्रिया को करना

(य) ईंधन मितव्यता को प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धतियों और किसी बायलर हाउस में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों के उपयोग करना

(ट) संक्षारण परपटी भवन के मुख्य कारण और उनका प्रभाव और अपनाए जाने वाले सामान्य उपचार

(ठ) जल मृदुकार के उपयोग का उद्देश्य

(ड) सिद्धांत जिसपर भरक पंप और अंतःक्षेपित्र कार्य करते है

(ढ) सिद्वान्त जिस पर धुंए को रोकने के लिए साधित्र कार्य करते है और

(ण) उच्च तापक इकोनोमाइजर भर तापक भरक निस्यंदक, सशक्त और प्रेरित वात प्रवाह उपस्करों और यांत्रिक कोयला भरक का प्रयोजन

(1) कोई अभ्यर्थी किसी परीक्षा में प्रवेश नहीं होगा जो अपने अनुभाव सक्षमता और अपनी अर्हता प्राप्त सेवा की सम्पूर्ण अवधि या अर्हता प्राप्त सेवा की अवधि में किसी बिना खाते के खंडता के लिए अच्छे आचरण का समाधानप्रद शंसापत्र का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करता है। ऐसा शंसापत्र में स्पष्टतः यह अधिकथित होगा कि अभ्यर्थी किस क्षमता में नियुक्त था जैसे प्रशिक्षु परिचर या द्वितीय वर्ग बायलर परिचर आदि और ऐसे नियोजन की अवधि की तारीखें जिसके मध्य ऐसा अभ्यर्थी नियोजित था ।

(2) कोई शंसापत्र किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होगा जिसके अधीन अभ्यर्थी नियोजित था और उस पर मिल कारखाना या वर्कशाप के स्वामी या अभिकर्ता या इस निमित सरकार द्वारा विहित किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होगा ।

(3) अभ्यर्थी जो औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान या तकनीकी संस्थान से प्रशिक्षण का कोई पाठ्यक्रम किया है, पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में लगी अवधि में दिए गये प्रधानाचार्य या संस्थान के अधीक्षक से पाठ्यक्रम का या तो प्रमाणपत्र/डिप्लोमा या प्रमाणपत्र अवश्य प्रस्तुत करेगा ।

(4) वाष्प पोत में सेवा के संबंध में किसी शंसापत्र पर मुख्य निरीक्षक द्वारा हस्ताक्षरित हो सकेगा और प्रति हस्ताक्षर पोत के मास्टर द्वारा या किसी शिपिंग मास्टर द्वारा जारी किसी नाविक का निर्वहन प्रमाणपत्र के प्ररूप में हो सकेगा ।

(5) रेल बायलर या किसी सरकारी विभाग या स्थानीय निकाय के बायलरों में सेवा का शंसापत्र किसी उत्तरदायी प्राधिकारी जिसके अधीन अभ्यर्थी ने सीधे सेवा की है द्वारा हस्ताक्षरित होगा और प्रति हस्ताक्षरित संबद्ध विभाग के प्रमुख द्वारा होगा ।

**INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES TO FILL ON LINE APPLICATION**

Every application for examination shall be in Form ‘A’.( Part I to IV) The applicant shall fill in such part of the Form as are to be filled in by a candidate and shall sign the form in the presence of a Gazetted Officer or any Magistrate or his employer who shall attest his signature. The application so filled in shall be forwarded to the Secretary and shall be accompanied by-

(a) One attested copy of each of the testimonials in respect of academic qualifications, and originals along with their copies for practical experience of the Candidate. All originals in respect of academic qualifications shall be produced at the time of interview;

(b) testimonials of good character from his employer with a certificate of age;

(c) Fees Rs. 500/ for first Class & Rs. 300/- for Second class boiler attendant should be deposited by e-challan by on line payment in the head **“’ 0230-00-103-00-00 fees for Inspection of steam boilers’”** under Boilers Act ; and

((d) two copies of recent passport size photographs (size 50mm x 65mm) which shall uploaded on web application.

**ELIGIBILITY CRITERIA**

Age, qualifications and experience for Second Class Boiler Attendant candidates-

A candidate for a certificate of competency as a Boiler Attendant of the Second Class shall not be less than eighteen years of age and shall not be admitted to the examination unless he :-

(a) has passed matriculation or equivalent examination from a recognized institution or board; and

(b) has served for not less than two years, in the capacity of a Fireman or Operator or an Assistant Fireman or Assistant Operator on a steam boiler; or

(c) has served for not less than three years as a fitter where boilers are manufactured or erected, operated or repaired. Out of this he should have served as Assistant Fireman for at least one year; or

(d) must have served for not less than two years on small industrial boilers, in case of Industrial Training Institutes certificate holder.

(e) candidate must be resident of Rajasthan State & should have bonofied certificate issued by a competent authority.

Age, qualifications and experience requirement for First Class Boiler Attendant candidates-

A candidate for a certificate of competency as a Boiler Attendant of the first class shall not be less than twenty years of age and he possesses a certificate of the second class and shall not be admitted to the examination unless he-

(a) has served for not less than two years, as boiler attendant with second class certificate of competency as sole working charge of a boiler whose rated heating surface is not less than fifty square meters ; or

(b) produces from the head of an industrial or technical institution, a certificate stating that he has completed a three years course of training, one year of which must have been as an apprentice in a steam power plant of a mill or a factory or an engineering workshop where engines and boilers are repaired or made and in addition has served for not less than one year as sole working charge of a boiler of not less than fifty square meters of heating surface with second class Boiler Attendant certificate of competency; or

(c) has worked for not less than two years as Fireman or Assistant Fireman with second class Boiler Attendant certificate of competency under the charge of first class Boiler Attendant on boiler having heating surface of more than fifty square meters.

(d) candidate must be resident of Rajasthan State & should have bonofied certificate issued by a competent authority.

**SYLLABUS FOR EXAMINATION**

Syllabus for Second Class Boiler Attendant-

A candidate, in order to be qualified for a certificate of competency of the Second Class, shall, inter alia, satisfy the examiners that-

(a) he clearly understands-

(i) the working and management of a steam boiler and economizers; ``

(ii) the use and purpose of the various valves, cocks, mountings and fittings;`

(iii) the precautions to be taken and procedure to be observed before starting fires and when raising steam;

(iv) the use of a feed pump and injector;

(v) the reading of the pressure gauge;

(vi) the need for periodical cleaning and pure water supply and for prevention of scale or other deposits on heating surfaces;

(vii) the need for periodical inspection of boilers and the manner in which they should be prepared for thorough inspection, hydraulic test and steam test;

(viii) the precautions to be taken before entering or allowing any person to enter a boiler that is connected to another boiler under steam;

(ix) the use of the best means of firing for the prevention of smoke;

(x) the danger of water lodging in steam pipes and the precautions to be observed in draining;

(xi) the procedure to be followed in the event of shortage of water, bulging or fracture of furnaces or flat plates or bursting of tubes or of any accident to a boiler or steam pipe;

(xii) precautions to be taken when starting an economizer to work after a period of rest, and

(xiii) procedure to be adopted in bringing an economizer into commission and also for putting it out of commission while the boiler is on steam; and that

(b) He is able –

(i) to stoke a boiler including cleaning and banking fires in a workmanlike manner;

(ii) to show how avoidable smoke may be prevented;

(iii)To blow through and test the correctness of water gauge glasses and test cocks;

(iv) to replace a gauge glass and show how a false water-level might be shown;

(v) to ease a safety valve and use a blow down cock or valve;

(vi) to adjust a high steam and low water safety valve and renew a fusible plug;

(vii) to pack pump or valve chest glands;

(viii) to grind and adjust cocks and valves;

(ix) to take a feed pump or injector to pieces and replace in working order; and

(x) to handle the appliances provided for keeping the economizer clean.

Syllabus for First Class Boiler Attendant

A candidate, in order to be qualified for a certificate of competency of the First Class, shall satisfy the examiners that in addition to the subjects specified for candidates for certificate of competency of the Second Class, he has at least a rudimentary knowledge of the principal elementary facts relating to combustion, heat and steam; and that he is able to explain inter alia –

(a) the working and management of steam boilers, super heaters and economizer;

(b) the use and purpose of various valves, cocks, mounting fitting and other mountings fittings and other safety devices;

(c) description and the functions of feed pumps, feed injector, feed regulators, feed water filters and softeners, feed heaters, air heaters, clarifiers steam accumulators, force draught, induced draught and automatic draught control devices;

(d) answer to question on fact relating to combustion, heat and steam and calculate consumption of coal and water and quantity of steam that may be generated from a given grate area of heating surface under the various systems of draught, in any land boiler and also calculate the overall efficiency of boiler plant;

(e) the significance of principal appliance in use for the prevention of smoke and the principle on which they work and give description of the principal mechanical stokers, pulverizes, gas, oil and pulverized fuel systems in use;

(f) the need for periodical cleaning, the methods used for prevention of scale or other deposits of heating surfaces and the necessity for maintaining a certain PH valve in feed water;

(g) detection of defects in boilers and state the means and methods of rectifying them;

(h) the precautions to be taken for starting a boiler and economizer from cold or from banked fire condition;

(i) the procedure to be adopted in putting an economizer out of commission while the boiler is on steam;

(j) the methods adopted for the achievement of fuel economy and the use of various instruments used in a Boiler House;

(k) the principal causes and effects of corrosion and incrustation and the usual remedies employed;

(l) the object of the use of water softeners;

(m) the principles on which feed pumps and injectors work;

(n) the principles on which appliances for the prevention of smoke works; and

(o) the purpose of super-heaters, economizers, feed headers, feed filters, forced and induced draft appliances and mechanical stokers.